International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड | SUSTAIN+
की संयुक्त पहल

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री अमित शाह
माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह
माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री, भारत सरकार

एनडीडीबी एवं सस्टेन प्लस परियोजना

सस्टेनेबल डेरी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता

नवाचार को बढ़ावा, सस्टेनेबिलिटी की ओर अग्रसर,
जीवन में बदलाव

एनडीडीबी - सस्टेन प्लस साझेदारी के बारे में

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने सस्टेन प्लस एनर्जी फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है, जिसका उद्देश्य वृहत स्तर पर, सस्टेनेबल और रिस्पॉसिव विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा (DRE) समाधान और खाद प्रबंधन पहल को शुरू करना है।

4 वर्षों की अवधि के दौरान, प्रस्तावित 92.25 करोड़ रुपये के प्रावधान के साथ, इस साझेदारी का उद्देश्य किसानों के लिए अतिरिक्त आय सृजित करना, स्वच्छ रसोई ईंधन को बढ़ावा देना और सस्टेनेबल कृषि के लिए पशु गोबर का वैज्ञानिक उपयोग करना है।

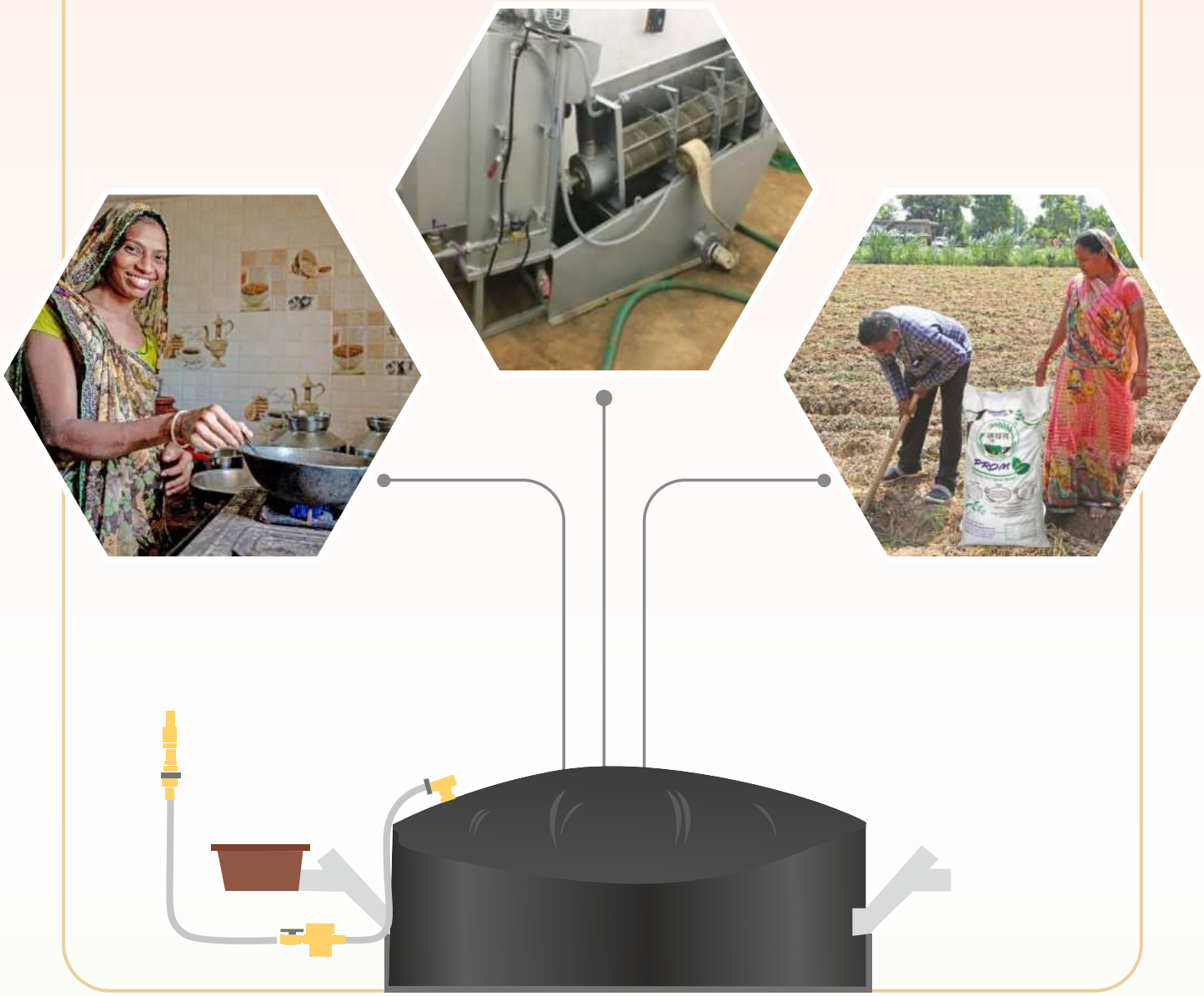

मुख्य घटक

खाद मूल्य श्रृंखला

- क्लस्टरों में स्टैंडलोन बायोगैस संयंत्रों की स्थापना
- स्लरी प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना द्वारा क्लस्टर में खाद मूल्य श्रृंखला का विकास
- गौशालाओं में खाद प्रबंधन मॉडल को विकसित करना
- पाइपलाइन कनेक्शन युक्त सामुदायिक बायोगैस संयंत्र

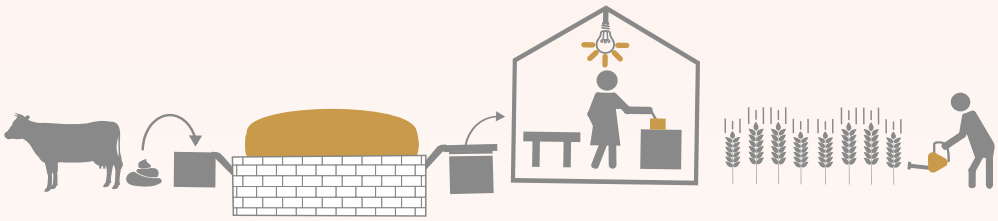

डेरी मूल्य श्रृंखला

- मोबाइल मिल्क कलेक्शन, परीक्षण एवं कूलिंग यूनिट
- डेरी सहकारी समितियों में सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना
- फार्म-स्तर पर दूध और दूध उत्पाद प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना

खाद मूल्य श्रृंखला

क्लस्टर में स्टैंडलोन बायोगैस संयंत्रों की स्थापना

घटक का संक्षिप्त विवरण	इस परियोजना का लक्ष्य 100-120 फ्लेक्सी बायोगैस संयंत्र (एक क्लस्टर में) स्थापित करना है, प्रत्येक की क्षमता 2 घन मीटर होगी, जिसे डेरी किसानों के घर के पीछे स्थापित किया जाएगा, जिनके पास गांव में कम से कम 2-3 पशु हैं।
मुख्य उद्देश्य	• खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन की पहुंच प्रदान करना • रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करना और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार के लिए खेतों में स्लरी के उपयोग को बढ़ावा देना
लाभ	• खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन के रूप में बायोगैस का उपयोग • खाना पकाने के अन्य ईंधनों पर निर्भरता में कमी • घरेलू महिलाओं के कठिन श्रम में कमी • बायोगैस और बॉयो-स्लरी के उपयोग से आर्थिक बचत • स्लरी-आधारित कृषि सामग्री का उत्पादन एवं उपयोग • पशुधन खाद से मीथेन उत्सर्जन में कमी

डेरी किसानों के लिए संपूर्ण सस्टेनेबल खाद मूल्य श्रृंखला की स्थापना

घटक का संक्षिप्त विवरण	घरेलू स्तर के बायोगैस संयंत्रों के क्लस्टर में एक स्लरी प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किया जाएगा, ताकि इन बायोगैस संयंत्रों से एकत्रित अधिशेष स्लरी को प्रोसेस और स्लरी आधारित उर्वरक में परिवर्तित किया जा सके। यह परियोजना सम्पूर्ण खाद मूल्य श्रृंखला की स्थापना पर केन्द्रित होगी।
मुख्य उद्देश्य	अधिशेष स्लरी के संकलन, स्लरी/स्लरी आधारित मूल्यवर्धित उत्पादों के प्रसंस्करण और बिक्री के माध्यम से खाद मूल्य श्रृंखला की स्थापना करना।
लाभ	• स्लरी की बिक्री द्वारा किसानों के लिए अतिरिक्त आय सृजित करना • स्लरी-आधारित कृषि सामग्री का उत्पादन और उपयोग • मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार • कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन के माध्यम से मीथेन उत्सर्जन में कमी।

गौशालाओं में खाद प्रबंधन मॉडल विकसित करना

घटक का संक्षिप्त विवरण	इस परियोजना का उद्देश्य गौशाला में उपलब्ध पशुओं की संख्या के आधार पर 40 से 200 घन मीटर की क्षमता वाले बायोगैस संयंत्र को स्थापित करना है। इसमें स्लरी के उपयोग या गौशाला में स्लरी प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना भी शामिल है, जिससे स्लरी को उर्वरक में परिवर्तित किया जा सके।
मुख्य उद्देश्य	• गौशाला में बायोगैस संयंत्र स्थापित करके खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन/बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करना। • संपूर्ण खाद मूल्य श्रृंखला की स्थापना द्वारा गौशाला संचालन में सुधार लाना
लाभ	• गौशाला में काम करने वाले श्रमिकों के कठिन श्रम में कमी लाना • गोबर के कुशल उपयोग द्वारा खाना पकाने के ईंधन/बिजली की बचत करना • खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन/बिजली उत्पादन में बायोगैस का उपयोग • स्लरी आधारित कृषि सामग्री का उत्पादन और उपयोग करना • स्लरी के उपयोग के माध्यम से उर्वरक लागत पर बचत करना • पशुधन खाद से मीथेन उत्सर्जन में कमी लाना

सामुदायिक बायोगैस संयंत्र के साथ खाद प्रबंधन मॉडल को विकसित करना

घटक का संक्षिप्त विवरण	इस परियोजना का उद्देश्य सामुदायिक बायोगैस संयंत्र स्थापित करना है जो पशु गोबर को नवीकरणीय बायोगैस में परिवर्तित करेगा। इस बायोगैस को सीधे निकटवर्ती घरों तक पाइपलाइन से पहुंचाया जाएगा, जिससे स्वच्छ, सस्टेनेबल और किफायती ऊर्जा स्रोत उपलब्ध होगा। परियोजना में स्लरी को स्लरी-आधारित उर्वरक में परिवर्तित करने के लिए एक स्लरी प्रसंस्करण इकाई की स्थापना भी शामिल है।
मुख्य उद्देश्य	• गोबर के कुशल उपयोग द्वारा घरों में खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना • किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान करना • सामुदायिक संपूर्ण खाद मूल्य श्रृंखला मॉडल की स्थापना करना
लाभ	• खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन के रूप में बायोगैस का उपयोग • किसानों के लिए गोबर की बिक्री से अतिरिक्त आय सृजन • स्लरी और स्लरी आधारित उर्वरकों का उत्पादन और उपयोग • पशुधन खाद से मीथेन उत्सर्जन में कमी

डेरी मूल्य श्रृंखला

मोबाइल मिल्क कलेक्शन, परीक्षण एवं कूलिंग यूनिट

घटक का संक्षिप्त विवरण	इस घटक का उद्देश्य मिल्क कलेक्शन, परीक्षण एवं कूलिंग यूनिट उपलब्ध कराना है। यह प्रणाली वाहन चेसिस पर बनाई गई है, जिसमें 300 लीटर का बल्क मिल्क कूलर (BMC) है, जो वाहन के इंजन द्वारा संचालित होता है। इस प्रणाली में दूध संकलन और परीक्षण के लिए डेटा प्रोसेसर-आधारित दूध संकलन इकाई (DPMCU) भी शामिल है।
मुख्य उद्देश्य	• दुर्गम/पहाड़ी क्षेत्रों में आजीविका सुनिश्चित करने के लिए डेरी किसानों को संगठित दूध संकलन प्रणाली की पहुंच उपलब्ध कराना। • इसके अलावा, समतल भूभाग पर, जहां ग्रामीण डेरी सहकारी समिति और डेरी संयंत्र के बीच अधिक दूरी होती है, वहां इस प्रणाली का प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है ताकि परिवहन के दौरान दूध को खराब होने से बचाया जा सके।
लाभ	• विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में, दूध संकलन में वृद्धि • स्थल पर कूलिंग के माध्यम से दूध की गुणवत्ता को बनाए रखना • दूध संकलन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता में सुधार लाना • विशेष प्रकार के दूध जैसे गाय और ऊंट के दूध के लिए संकलन प्रणालियों की पहुंच उपलब्ध कराना

डेरी सहकारी समितियों में सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना

घटक का संक्षिप्त विवरण	इस परियोजना का उद्देश्य गांव स्तर की डेरी सहकारी समितियों (DCS) को न्यूनतम 2 किलोवाट क्षमता वाले रूफटॉप सौर पीवी सिस्टम से सुसज्जित करना है। यह पहल नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से DCS की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने पर केंद्रित है। इस प्रणाली में सौर पीवी मॉड्यूल, माउंटिंग संरचना, इन्वर्टर, अर्थिंग सेट, लाइटनिंग अरेस्टर, वायर-कैबल, इंपोर्ट-एक्सपोर्ट मीटर, बैटरी बैंक आदि घटक शामिल हैं।
मुख्य उद्देश्य	• डेरी सहकारी समितियों में विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा प्रणाली को बढ़ावा देकर गैर-नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भरता को कम करना। • दूध संकलन, परीक्षण और अन्य संचालन के लिए ऊर्जा लागत को घटाकर वित्तीय स्थिरता में वृद्धि करना। • महत्वपूर्ण डेरी संचालन के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना, जिससे अस्थिर ग्रिड बिजली या महंगे डीजल जनरेटर पर निर्भरता कम हो।
लाभ	• डेरी सहकारी समितियों (DCS) की ऊर्जा लागत में कमी लाना • विशेष रूप से ऑफ-ग्रिड या दूरस्थ क्षेत्रों में ऊर्जा की विश्वसनीयता और सुदृढ़ीकरण में सुधार। • ऊर्जा खपत से सबद्ध ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाना, जिससे जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में सहयोग मिलेगा। • आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे के स्वामित्व द्वारा डेरी सहकारी समितियों का सशक्तिकरण करना

फार्म स्तरीय दूध और दूध उत्पाद प्रसंस्करण पर बढ़ावा देना

घटक का संक्षिप्त विवरण	इस परियोजना का उद्देश्य लघु स्तरीय फार्म स्तर पर दूध और दूध उत्पाद प्रसंस्करण को बढ़ावा देना है। इस उपकरण का उपयोग दूध और दूध उत्पाद प्रसंस्करण के लिए किया जा सकता है, जैसे कि 100 लीटर दूध से पाश्चुरीकृत दूध, दही/लस्सी, खोआ, घी, मोज़ेरेला चीज और/या श्रीखंड। यह उपकरण लघु सहकारिताओं/ FPO/उद्यमियों के लिए उपयुक्त है।
मुख्य उद्देश्य	• बहुउद्देश्यीय दूध प्रसंस्करण उपकरणों से डेरी सहकारिताओं और छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाना • विकेन्द्रीकृत स्तर पर उच्च गुणवत्तायुक्त दूध प्रसंस्करण प्रणाली स्थापित करना • स्वच्छ प्रसंस्करण पद्धतियों को डेरी उद्यमियों और FPO में बढ़ावा देना।
लाभ	• फार्म स्तर पर दूध और दुग्ध उत्पादों का स्वच्छ प्रसंस्करण तथा निरंतर उत्पादन और गुणवत्ता को सुनिश्चित करना। • ग्रामीण क्षेत्रों में डेरी उद्यमिता को बढ़ावा देना। • ग्रामीण उपभोक्ताओं की ताजे और शुद्ध डेरी उत्पादों की मांग को पूरा करना।

आइए, हम

ग्रामीण भारत के बदलाव के सहभागी बने

अन्य प्रस्तावित पायलट परियोजनाएं

हरित डेरी मूल्य श्रृंखला

कार्बन न्यूट्रल गांव का विकास करना

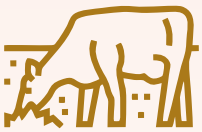

फलों और सब्जी के अपशिष्ट से
साइलेज निर्माण का पायलट मॉडल

महत्वपूर्ण उपलब्धियां एवं उत्पाद

10,000 बायोगैस डाइजेस्टर की स्थापना

500 DCS में **रूफटॉप** सौर पीवी सिस्टम की स्थापना

प्रतिवर्ष **4.0 मिलियन+ घन मीटर** मीथेन उत्सर्जन की रोकथाम

रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी (फॉस्फेट-आधारित उर्वरकों का 100% प्रतिस्थापन)

फसल उत्पादन में 15-20% की वृद्धि

75,000+ कार्बन क्रेडिट का वार्षिक उत्पादन

1 लाख+ परिवारों तक पहुंच

विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से **सतत् विकास लक्ष्यों** (SDGs) में योगदान

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड | SUSTAIN+

की संयुक्त पहल

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

पो.बॉ. 40, एनडीडीबी, आणंद-388001

दूरभाषः- +91 2692-260148, 260149, 260159, 260160

ई-मेलः anand@nddb.coop